17 AUG 2019

दृष्टि The Vision

drishti

ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19(JS)–ESY-**E1**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: SUNIL
Mobile Number:
Medium (English/Hindi): HINDI
Reg. Number: AWAKE-19 | B013
Center & Date: DELHI 14/08/19
UPSC Roll No. (If allotted): 7105724

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

खंड A और B में प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिये, जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों का हो: 125 × 2 = 250

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Section A and B, in about 1000–1200 words each: 125 × 2 = 250

खंड–A / SECTION –A

1. अत्यधिक असमानता, आय की असमानता से ज़्यादा अवसरों की असमानता है।

   Excess of inequality is rather an inequality of opportunity than an inequality in income.

2. विश्व की ऊर्जा ज़रूरतों को पूरा करने के लिये अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन भविष्य का ओपेक होगा।

   To meet the energy requirement of the world, the International Solar Alliance will be the OPEC of the future.

3. भारतीय संघवाद की सहकारी एवं जीवंत प्रकृति तथा इसके सम्मुख उपस्थित चुनौतियाँ।

   The cooperative and vibrant nature of Indian federalism and the challenges before it.

4. यदि हमें भविष्य के विनाश से बचना है तो विकास की दिशा को बदलना होगा।

   If we want to avoid the future destruction, we have to change the direction of our development.

खंड–B / SECTION –B

1. अपरीक्षित जीवन जीने योग्य नहीं।

   "The unexamined life is not worth living".

2. धरती ईश्वर की है और मानवता उसकी संरक्षक है न कि स्वामी।

   The earth belongs to God and humanity is its patron, not the master.

3. प्रार्थना करने वाले होंठ से ज़्यादा पवित्र मदद करने वाले हाथ होते हैं।

   The hands that serve are holier than the lips that pray.

4. नैतिकताविहीन धर्म आत्मारहित शरीर के समान है।

   Religion without ethics is like a body without soul.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

खंड–A / SECTION–A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. प्रौद्योगिकी वह सशक्त साधन है जो उम्मीद और अवसर के बीच की दूरी तय करता है।

   Technology is that powerful tool which covers the distance between hope and scope.

2. अन्नदाता का उद्धार किसी दया में नहीं बल्कि नवाचार में है।

   Farmer's emancipation lies in innovation rather than mercy.

3. भारत के वे अनिवार्य सामाजिक परिवर्तन जिन्हें आप आगामी कुछ दशकों में होता देखना चाहेंगे।

   The necessary social changes that you wish to see in India in the next few decades.

4. पारंपरिक मूल्यों के साथ आधुनिक विश्व की समस्याओं का समाधान तलाशती भारतीय विदेश नीति।

   India's foreign policy: Exploring solutions to the problems of the modern world with traditional values.

"प्रौद्योगिकी वह सशक्त साधन है, जो उम्मीद और अवसर के बीच की दूरी तय करता है।"

कुछ दिनों पूर्व दूरदर्शन पर एक घटना देखी। एक पर्वतीय ब्लॉक का सुदूरवर्ती गाँव, प्राकृतिक तथा मानवीय संसाधनों से संपन्न, स्थानीय ज्ञान की बहुलता; लेकिन फिर भी आधारभूत सुविधाओं की वंचना का शिकार। दृश्य 50 वर्ष पहले की स्थिति बयाँ करता रहा था।

लेकिन वर्तमान स्थिति कुछ और ही थी। परिवहन, संचार, ऊर्जा की उपलब्धता, शिक्षा व

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उदाहरण दिया गया। ब्रिटेन जैसे देशों में भी एकात्मक प्रणाली है। वृहद व विविधता युक्त राष्ट्र भी संघवाद के कारण विखंडन की समस्या अनुभव कर रहे है - - - - । मन में विचार उठे - भारत में भी तो संघवाद है। तो क्या है भारतीय संघवाद की प्रकृति ? यह कितना सफल रहा है ? चुनौतियाँ क्या है ? इनके समाधान क्या है तथा क्या प्रयास किए जा रहे है ? इन्हीं सब प्रश्नों का उत्तर निबंध में तलाशने की कोशिश करते है।

सर्वप्रथम शब्दों के अर्थों को जाना जाए, तो संघवाद एक राजनीतिक व्यवस्था को इंगित करता है, जहाँ केन्द्र व केन्द्र से इतर (राज्य) स्तर पर भिन्न-भिन्न सरकारें होती है, दोनों के अपने-अपने कार्य क्षेत्र व अधिकार होते है तथा स्वतंत्रतापूर्वक कार्य करती है। वहीं सहकारी प्रकृति सभी को साथ लेकर चलने, लक्ष्यों में एकरूपता सुनिश्चित करने को दर्शाती है। जीवंतता का अर्थ बदलती परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

को प्रायः उपेक्षित ही किया जाता रहा।

परंतु इन दोनों के बीच के अंतराल को दूर करने हेतु 'प्रौद्योगिकी' के नए क्षेत्र का सृजन किया गया। वर्तमान में हम विज्ञान के इसी रूप से अधिक वाकिफ है, जो हमारे दिन-प्रतिदिन के जीवन में घुलमिल सा गया है।

इसी संदर्भ में प्रौद्योगिकी विभिन्न क्षेत्रकों में हमारे लक्ष्यों, उम्मीदों तथा मौजूद संसाधनों, अवसरों के बीच की दूरी कम कर विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही है।

राजनीति के क्षेत्र में निष्पक्ष चुनाव, शासन-प्रशासन की लोकतांत्रिक जवाबदेही, सही नीति-निर्माण तथा प्रभावी क्रियान्वयन, वंचित वर्गों तक लाभ का सही वितरण आदि हमारे लक्ष्य हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

में राज्यों की सहमति अनिवार्य की गई है जैसे राष्ट्रपति का निर्वाचन व शक्ति-परिवर्तन, विधायी संबंध परिवर्तन।

अनुच्छेद 263 के तहत गठित अन्तर्राज्यीय परिषद व वैधानिक रूप से गठित क्षेत्रीय परिषदें केन्द्र-राज्य के बीच समन्वय, सामंजस्य का कार्य कर रही है। इसी प्रकार राष्ट्रीय एकता परिषद (1962) केन्द्र, राज्य व गैर-सरकारी संगठनों को शामिल कर समस्या समाधान का प्रयास करती है।

अनुच्छेद 258 तथा 258(A) में केन्द्र व राज्य को एक-दूसरे को अपनी शक्तियाँ सौंपने (निश्चित प्रक्रिया के माध्यम से) की शक्ति दी गई है, ताकि परिवर्तित परिस्थितियों व समस्या समाधान की आवश्यकता को व्यवहारतः पूर्ण किया जा सके।

इसी प्रकार अखिल भारतीय सेवाओं द्वारा केन्द्र व राज्य-दोनों स्तरों पर सेवाएँ दी जाती है। एकीकृत चुनाव व्यवस्था होने के कारण केन्द्र व राज्य के बीच संघर्ष कम होते है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

A3

drishti | दृष्टि The Vision

का अंतरण प्रौद्योगिकी द्वारा भी। जा सकता है। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, रजिस्ट्री टैगिंग द्वारा कार्यों की मॉनिटरिंग, GIS व मानचित्रण प्रणाली, JAM ट्रिनिटी आधार कार्ड, स्मार्टफोन्स व इंटरनेट, डिजिटल भुगतान हेतु एप्स इसमें महत्ती भूमिका निभा रहे है।

इसी प्रकार नवाचार, बौद्धिक संपदा अधिकार सृजन, ग्रामीण कला के संरक्षण के साथ उसे वैश्विक पहचान दिलाकर आय अर्जन के स्रोत में बदलने, कृषि में पारंपरागत दृष्टिकोण के स्थान पर कृषि प्रबंधन, कृषि स्टार्टअप्स तथा नवीन कृषि प्रणालियां - निरापद कृषि, जलवायु स्मार्ट कृषि आदि को प्रौद्योगिकी द्वारा संभव किया जा सकता है। जैसे ई-कॉमर्स का उपयोग।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वैश्वीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण गरीबी, बेरोजगारी, मानवाधिकार उल्लंघन आदि को दूर करने हेतु संसाधन एकत्रण, पूँजी निर्माण, बेहतर तकनीक प्रयोग आदि की आवश्यकताओं ने भी सहकारी संघवाद को गतिशीलता दी।

इसके अलावा गैर-सरकारी माध्यम - राजनैतिक दल, सिविल सोसायटी, मीडिया, गैर सरकारी संगठन, नागरिक समाज आदि संगठन भी संघवाद की सहकारी प्रकृति को मजबूत बनाने का प्रयास करते है।

वस्तुतः भारतीय संघवाद न केवल सहकारी प्रकृति का, बल्कि जीवंत प्रकृति का भी रहा है। इसने समय-समय पर अपने आप को न केवल परिवर्तित किया है, बल्कि परिस्थितियों के अनुरूप ढाला भी है।

1980's के दशक में, जब विखंडनकारी प्रवृत्तियाँ तीव्र प्रबल हो रहे थे, इसने स्वयं को थोड़ा एकात्मक स्वरूप की ओर मोड़ा। पुनः 1990 व बाद में वैश्वीकरण, निजीकरण, उदारीकरण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दूरदर्शन द्वारा निदेश का रखा जा सकता है। इससे परंपरागत कुरीतियों, भेदभावों - जाति, लिंग, धर्म आदि आधारों पर, को दूर करने के साथ ही ग्लोकलाइजेशन, संस्कृतिकरण जैसे अवसरों का भी लाभ उठाया जा सकेगा।

देश की लगभग 62% जनसंख्या 15-59 वर्ष उम्र के कार्यशील समूह का भाग है। अतः इसे मानव पूँजी में बदलने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, आवास की मात्रात्मकता के साथ गुणात्मक आपूर्ति भी आवश्यक है। प्रौद्योगिकी द्वारा ई-शिक्षा, ई-चिकित्सा, रियल-टाइम निर्माण द्वारा डाटा विश्लेषण, अकुशल श्रम को प्रशिक्षण तथा प्रशिक्षित श्रम को AI, मशीन लर्निंग के अनुरूप ढालने का कार्य कर सकती है। जो विकास का लाभ अंतिम छोर पर खड़े कमजोर व गरीब व्यक्ति तक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2014 में जन आवश्यकता व माँग को ध्यान में रखकर पृथक् तेलंगाना का निर्माण भी किया गया। एक तरफ AFSPA लागू है (राज्यों का विधि क्षेत्र) तो दूसरी तरफ जल के राज्य सूची के विषय होने के कारण पश्चिम बंगाल सरकार को तिस्ता नदी जल विवाद में स्वयं से छूट लेने की शक्ति भी दी गई। ये उदाहरण भारतीय संघवाद की प्रासंगिक अनुकूलन क्षमता को दर्शाते हैं।

वर्तमान की पहलें-

नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड, सार्वजनिक वितरण प्रणाली का एकीकृत प्रबंधन, इलेक्ट्रॉनिक-राष्ट्रीय कृषि मार्केट आदि द्वारा केन्द्र-राज्य प्रयासों में एकरूपता लाने की प्रकृति दिख रही है, तो राज्यों के बीच भी प्रतिस्पर्धा बढ़ाकर- विभिन्न सूचकांकों, रिपोर्ट द्वारा: प्रतिस्पर्धी संघवाद जैसे विचार को अपनाया जा रहा है।

भारत की यही सहकारी व जीवंत संघवाद की प्रकृति उसके

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सकती है। प्रबंधन एवं सूचना प्रणाली, पूर्वानुमान व चेतावनी प्रणाली सफर व समर जैसे एप्स इसी भूमिका का निर्वहन कर रहे है।

इसी क्रम में आपराधिक न्याय प्रणाली - पुलिस, जेल, न्यायपालिका के विभिन्न दोषों - जटिल व अपारदर्शी प्रक्रिया, खर्चीलापन, पहुंच का अभाव आदि को प्रौद्योगिकी द्वारा दूर कर सभी तक न्याय व सभी की न्याय तक पहुंच, मूलाधिकारों की रक्षा, गरिमामय जीवन, सामाजिक स्थिरता व शांति जैसे लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। इंटीग्रेटेड केस इंफोर्मेशन एंड मैनेजमेंट सिस्टम, प्रो बोनो लीगल सर्विस, LIMBS योजना आदि को इसी संदर्भ में देखा जा सकता है।

और तो और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में राष्ट्र की नेतृत्वकारी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शीघ्र निपटान न होने, राज्य के बढ़ते हस्तक्षेप ने चिंताएं उत्पन्न की है।
इसी प्रकार राजमन्नार आयोग (1967), अकाली प्रस्ताव (1973) पश्चिमी बंगाल ज्ञापन पत्र (1977) आदि क्रमश राज्यों के बीच केन्द्र के प्रति बढ़ते असंतोष की अभिव्यक्ति थे।
नीति आयोग की कार्यप्रणाली पर उठते प्रश्न- केन्द्र का अधिक दबाव, केंद्र की नीतियों की आलोचना न करना, वित्त आयोग में राज्यों की भूमिका का न होना, अंतर्राज्यीय परिषद की समय पर बैठक न होना आदि संस्थागत स्तर पर सहकारी संघवाद को दुष्प्रभावित कर रहे है।
42वें संविधान संशोधन ने जहाँ केंद्र को मजबूत बनाने का प्रयास किया, वहीं वर्तमान में स्वास्थ्य, कानून-व्यवस्था, कृषि आदि विषयों पर केन्द्र द्वारा कानून बनाने तथा राज्यों पर उन्हें आरोपित करने की प्रवृत्ति भी नकारात्मक परिणाम उत्पन्न कर रही है। जैसे आयुष्मान भारत योजना, हाल ही में NIA कानून में किया गया संशोधन, UAPA कानून में संशोधन आदि। इससे केन्द्र-राज्य अविश्वास बढ़ रहा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

डिजीटल अंतराल, कुशल व अकुशल श्रम के बीच बढ़ते वेतन अंतराल, इसके संयुक्त परिवार तथा पाश्चिमीकरण की अंध दौड़ में पतनोन्मुख नैतिकता इसके कुछ पक्ष प्रकटित करती है।

साथ ही केवल मात्र प्रौद्योगिकी की भी अपनी सीमाएं है बिना शोध व अनुसंधान, लोगों की तकनीक तक पहुंच, तकनीक के सही उपयोग; जैसे नाभिकीय तकनीक का ऊर्जा उत्पादन में उपयोग, न कि परमाणु बम बनाने में, आदि के इसकी संपूर्ण क्षमता का प्रयोग नहीं किया जा सकता है।

इन समस्याओं को दूर करने हेतु हम बहुआयामी रणनीति अपनानी होगी; जो शिक्षा व्यवस्था में सुधार, लैंगिक विभेदों की समाप्ति, तकनीकी के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

निर्वाचन आयोग, प्रवर्तन निदेशालय, आदि को मजबूत किए जाने की आवश्यकता है, ताकि निष्पक्षता बरकरार रखी जा सके।

अधिक प्रासंगिक वित्तीय बंटवारा, योजनाओं के बृहद लक्ष्य निर्धारित कर विनियम की शक्ति राज्यों को प्रदान कर केन्द्रीकरण व विकेन्द्रीकरण दोनों को साथ चलाने, केन्द्रीय व राज्य स्तरीय प्रशासनिक तंत्र में तकनीक प्रयोग व बेहतर प्रशिक्षण द्वारा समन्वय स्थापित करने जैसे कदम भी सहायक सिद्ध हो सकते हैं।

इसी प्रकार प्रत्येक सरकार द्वारा अपनी सीमाओं को समझने, एक-दूसरे के क्षेत्राधिकार में हस्तक्षेप न करने की आत्मनियंत्रण की प्रवृत्ति भी चुनौती का सामना करने में मदद कर सकती है।

सारांशतः भारतीय संघवाद की अपनी अनोखी प्रवृत्ति पूरे विश्व में अपनी सहयोगिता, समावेशिता के लिए जानी जाती है। अतः अपेक्षित सुधार न केवल भारत, बल्कि वैश्विक परिदृश्य में लोकतंत्रीकरण, सार्वभौम शांति, समानता के भाव को प्रसारित कर पाएंगे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खंड–B / SECTION–B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. सर्वोच्च शिक्षा वह है जो सिर्फ हमें जानकारी नहीं देती अपितु प्रकृति के साथ हमारे सह-अस्तित्व को भी सुनिश्चित करती है।

   The best education is that which not only gives us information, but also ensures our coexistence with nature.

2. राजनीति में आदर्श अपेक्षित भी है और उपेक्षित भी।

   Ideals in politics are required as well as neglected.

3. समान के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिये और असमान के साथ असमान।

   Equals should be treated equally and unequals unequally.

4. उस समाज में स्वतंत्रता अर्थहीन है, जिसमें गलती करने की आज़ादी न हो।

   Liberty is meaningless in that society where there is no freedom to commit mistakes.

"राजनीति में आदर्श अपेक्षित भी है और उपेक्षित भी।"

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ चुनाव के दौरान एक जनप्रतिनिधि अपनी सभा में एक समूह विशेष को खुश करने हेतु तुष्टीकरण की नीति अपनाए हुए थे तथा भड़काऊ व हिंसक बयानबाजी कर रहे थे। वीडियो देखकर मन सोच में पड़ गया। क्या वास्तव में राजनीति में आदर्श मात्र आदर्श बनकर रह गया है? क्या

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

है। इतने प्रयासों के बाद भी कमी कहाँ रह गई?

वस्तुत: कमी प्रणाली में नहीं थी। कमी थी - 'परीक्षण' नामक खोए हुए तत्त्व में।

सरल शब्दों में परीक्षण को किए गए कार्य को मापने, लक्ष्यों से उसकी दूरी का पता लगाने, कमियों को ढूंढने के अर्थ में प्रयुक्त किया जाता है क्योंकि जिस भी वस्तु का मापन नहीं किया जाता, प्रगति का आँकलन नहीं किया जाता है, उसकी वास्तविक स्थिति हमसे छिपी रहती है।

तथापि इसका एक व्यापक अर्थ भी है, जो उपरोक्त के साथ समस्या समाधान का दृष्टिकोण रखने, तुलनात्मक अध्ययन करने, अनुकूलन क्षमता विकसित करने, प्रगति की गुणात्मकता (Quality) व पहुँच (Access) का पता लगाने आदि कार्यों से संबंधित है।

~~वास्तव~~ वस्तुत: परीक्षण मानवीय प्रगति का आधार रहा है। अपने किए गए कार्य का मूल्यांकन करने, उसमें सुधार करने की मानवीय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

टिका रहता है। राजनीति में ये आधार है- जन कल्याण, संतुलन, समन्वय, सहयोग, न्याय, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व व जवाबदेहिता तथा विकास। यद्यपि देश-काल के अनुसार इनकी प्राथमिकताओं में परिवर्तन अनुभूत किया जा सकता है।

भारत में प्राचीनकाल में मौर्य शासन में जहां इन आदर्शों की उच्चतम अभिव्यक्ति मिलती है, तो वहीं विदेशी आक्रमणों तथा ब्रिटिश काल में पतन भी दृष्टिगोचर होता है। स्वतंत्रता पश्चात पुन: इन्हें मुख्यधारा में शामिल करने के प्रयास शुरू हुए।

राजनीति में आदर्शों की अपनी एक प्रभावशाली भूमिका होती है। जो नेतृत्व को जनता से जोड़े रखती है, सार्वजनिक हित को प्राथमिक बनाए रखती है तथा जन-भागीदारी को प्रोत्साहित

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright -- Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

व संसाधन बचत वाले उपाय उठाना संभव हो पाता है

यदि व्यक्तिगत जीवन स्तर पर बात की जाए, तो बिना परीक्षण के जीवन अनिश्चित सा होने लगता है, उसमें क्रमबद्धता का विलोप होने लगता है, लक्ष्यों से दूरी बढ़ने लगती है। जिससे जीवन जीने का सुख कम होने लगता है।

इन परिस्थितियों को जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में देखा जा सकता है। व्यक्ति द्वारा निजी हित पूर्ति हेतु प्रयास किए जाने, परंपराओं व मूल्यों को भंग करने, रुढ़िवादिता को अपनाने, सामूहिक हित को चोट क्षति पहुंचाने पर लाभार्जन तो किया जा सकता है; परंतु परीक्षण करने पर पता चलने वाले नकारात्मक प्रभावों - सामाजिक संपर्कों में वृद्धि, स्वयं की प्रस्थिति में गिरावट आदि से उसका जीवन जीने योग्य नहीं रह जाता है

इसी प्रकार प्राकृतिक संसाधनों का अतिदोहन, पर्यावरणीय क्षति, प्रदूषण में वृद्धि जैसे कारकों का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राजनीति में अंतर्राष्ट्रीयतावाद, वसुधैव कुटुंबकम, विश्व शांति व सौहार्द की भावना का प्रसार करता है; जो आतंकवाद, प्रवासन व शरणार्थी समस्या, शस्त्रीकरण, विभूमंडलीकरण जैसी समस्याओं का समाधान भी प्रस्तुत करता है।

इसी प्रकार सहकारी व प्रतिस्पर्धी संघवाद, विकास प्रशासन जैसे आदर्श विशाल राष्ट्रों को एकीकृत बने रहने की आवश्यकता की पूर्ति भी करते हैं; अन्यथा USSR के समान विघटनकारी प्रवृत्तियाँ विखंडन का मार्ग प्रशस्त कर सकती हैं।

चुनावों के समय स्वतंत्रता व निष्पक्षता, पारदर्शिता, समयबद्धता, विश्वसनीयता जैसे आदर्श स्वस्थ राजनैतिक संस्कृति का निर्माण करते हैं, जो लोकतंत्र की वैधता को मजबूती प्रदान करते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जीवन जीने के अयोग्य बनता जा रहा है क्योंकि अंततः धन तो रहेगा मूल्य व समावेशिता जैसे तत्व लुप्त हो जाएंगे।

इसी क्रम में जीवन में शिक्षा के पहलुओं की उपेक्षा करने, कौशल स्तर का पता न लगाने, स्वास्थ्य की वर्तमान स्थिति से जागरूक न रहने वाला व्यक्ति रोजगार के अवसरों में पीछे छूट जाता है, वह स्वयं ही अपने संकटों में वृद्धि कर जीवन को दुष्कर बनाता जाता है।

परिवार, जो कि सामूहिक मानव जीवन की प्रारंभिक इकाई है, में भी एक-दूसरे के व्यवहार को न समझ पाने गलत आदतों की तरफ ध्यान न देने, गलतियों को नजरअंदाज करने की प्रवृत्तियाँ न केवल व्यक्तिगत जीवन को बल्कि परिवार नामक संस्था को भी दुष्प्रभावित कर सकती है।

इसी संदर्भ में जीवन में प्राप्त सफलताओं, असफलताओं का विश्लेषण करना भी आवश्यक हो जाता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जाना चाहिए कि उपरोक्त लोगों की एक लंबी पूंजी राजनीति में आदर्श को पूर्ण रूप से समाविष्ट किए हुए है? वास्तविक स्थिति कुछ दुःखदायी है। राजनीति में ये आदर्श उपेक्षा के शिकार रहे हैं।

दलगत राजनीति के कारण स्थानीय स्वशासन पर विवाद व संघर्ष बढ़े हैं, जिससे सामाजिक ग्रामीण ढाँचा कमजोर हुआ है। पंचायत पति की अवधारणा, वंचित वर्गों की सीमित भागीदारी अभी भी आदर्शों से विचलन को दर्शा रही है।

चुनावों में धनबल व भुजबल का बढ़ता प्रयोग, मनी, माफिया व मीडिया का अनुचित उपयोग, वोट न देने पर कार्य न करने की धमकी, राजनीति में जातिवाद का बढ़ता प्रयोग, बढ़ रहा अपराधीकरण, EVM पर उठते प्रश्न, निर्वाचन आयोग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हिटलर के कार्यों - ऊपर से थोपा जाना, संघर्ष आदि प्रवृत्ति युक्त आदि ने अल्पकालिक लाभ तो दिए, लेकिन कार्यों के प्रभावों के परीक्षण के अभाव ने उन परिस्थितियों को जन्म दे दिया, जहाँ न केवल उसका, बल्कि लाखों जर्मनवासियों का जीवन भी संकटग्रस्त हो गया।

इसी प्रकार नेपोलियन, मुसोलिनी के कार्य परीक्षण के अभाव में विनाशकारी सिद्ध हुए। औद्योगीकरण के दुष्प्रभावों के आँकलन के अभाव ने पर्यावरणीय संकटों को जन्म दे दिया।

वस्तुत: न केवल व्यक्तिगत बल्कि, संस्थागत स्तर पर भी परीक्षण की महत्ता बनी रहती है। एक संस्थान का भी अपना एक जीवन होता है - जन्म, प्रसार, योगदान व समाप्ति। इसी कारण उसके कार्यों का विश्लेषण भी उसकी प्रासंगिकता का एक प्रमुख निर्धारक तत्त्व बन जाता है।

इस क्रम में भारतीय संविधान को देखा जा सकता है जो समय-समय पर जाँचा गया है, संशोधित हुआ है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जाना, राज्यपाल जैसे संवैधानिक पद की प्रतिष्ठा को पहुँच रही क्षति व संस्थाओं - CBI आदि का दलीय हितों के लिए प्रयोग के आरोप राजनीति में विश्वसनीयता का संकट उत्पन्न कर रहे है।

इसी प्रकार अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में राष्ट्रीय हित को ही प्रधानता, दूसरे राष्ट्रों की संप्रभुता का उल्लंघन, कुटिल दांव-पेंचों का प्रयोग तथा अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा आदर्शों को क्षति पहुंचा रही है।

फिर भी ऐसा नहीं है कि आदर्श पूर्ण रूप से उपेक्षित हो है। कुछ Pull व कुछ Push factors इनकी निरंतरता बनाए हुए है। जनप्रतिनिधियों की पुनः चुने जाने की आकांक्षा, विभिन्न कन्वेन्शन व कानून, जन संप्रभुता की अवधारणा, संस्थाओं की सुदृढ़ संरचना, सामाजिक जीवन के मूल्य, आधुनिक विचारों का प्रसार, संविधान तथा

उम्मीदवार को इ… हाशिये में नहीं … चाहिये।
(Candidate mus… write on this ma…

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

को स्वतंत्रता व अधिकार की उपलब्धता सुनिश्चित करना, अदालतों तक पहुंच प्रदान करना, न्याय व बंधुत्व की संस्कृति उपलब्ध कराना होता है। यदि राज्य के प्रयास इन लक्ष्यों की प्राप्ति में सफल हो रहे या नहीं, परीक्षण के माध्यम से इसका पता लगाया जा सकता है। परीक्षण के सकारात्मक परिणाम स्वस्थ राजनैतिक संस्कृति को मजबूत बना सकते हैं, तो नकारात्मक परिणाम राज्य जीवन/अस्तित्व के समक्ष संकट भी उत्पन्न कर देते हैं जैसे समय-2 पर होने वाले किसान विद्रोह, महिलाओं द्वारा आंदोलन।

वस्तुतः परीक्षण हमें तात्कालिक स्थिति बोध का महत्वपूर्ण उपकरण है। तथापि कई बार अवांछित तथा अतिपरीक्षण भी देखने को मिल जाते हैं ऐसी स्थिति प्रगति को गति देने की बजाय बाधित करने का कार्य भी कर सकती है क्योंकि प्रत्येक कार्य के कुछ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उदासीनता, पर्याप्त व प्रभावी विनियमों की कमी, दलीय राजनीति की अपनी निहित कमजोरियों आदि को शामिल किया जा सकता है।

इन कारणों से एक दुष्चक्र सा निर्मित हो जाता है, जो नकारात्मक परिणाम उत्पन्न कर ~~[illegible]~~ सुधारों की गति को रोक देता है। अतः इसे तोड़ने के लिए एक बहुआयामी व दीर्घकालिक रणनीति अपनानी होगी।

इस हेतु लोगों के जीवन स्तर में सुधार; शिक्षा व साक्षरता तक सभी की पहुंच; कानूनों के प्रभावी क्रियान्वन; चुनावी प्रक्रिया में सुधार, केंद्र-राज्य संबंधों में टकराहट रोकने हेतु अंतर्राज्यीय परिषदों जैसी संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण, विधायिका में सुधार हेतु तकनीकी प्रयोग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

रखना, आँकड़ों के एकीकरण व एकत्रण में सावधानी, उचित व मान्य प्रविधि का प्रयोग, पूर्वाग्रहसे ग्रसित न होने, दबाव से मुक्त रहने आदि शोधशास्त्र तत्त्वों का समावेशन परीक्षण को और अधिक प्रासंगिक बना देता है।

साथ ही केवल आलोचना, त्रुटि को नीचा दिखाने की बजाय सुधार पक्ष को अधिक प्रबल कर जीवन के सभी पक्षों में परीक्षण की महत्ता को पुनर्परिभाषित किया जा सकता है।

सारांशत: कह सकते हैं कि जीवन एक गतिशील प्रक्रिया है। इसमें गति तथा प्रगति का मापन परीक्षण नामक तत्त्व से करके वांछित लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है- चाहे व्यक्तिगत स्तर पर जीवन के लक्ष्य हो, या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संधारणीय विकास लक्ष्य। यही तत्त्व अंतत: जीवन को जीने योग्य बनाता है।

---

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation